

मनोभ्रंश रोग (डिमेंशिया) का रोग निदान

यह सहायता पत्रक डिमेंशिया के प्रारंभिक लक्षणों तथा इसका रोगनिदान करने के तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। प्रारंभिक तथा सही रोगनिदान की महत्ता को बल दिया जाता है।

डिमेंशिया के प्रारंभिक लक्षण कौन से हैं?

डिमेंशिया के प्रारंभिक लक्षण बहुत सूक्ष्म व अस्पष्ट हैं तथा शायद वे तुरंत स्पष्ट ना हों। प्रारंभिक लक्षण बहुत हद तक भिन्न हो सकते हैं। आम तौर पर, स्मरण शक्ति से संबंधित समस्याओं, विशेषकर हाल ही की घटनाओं को याद रख पाने की समस्याओं पर लोगों का ध्यान जाता है।

अन्य सामान्य लक्षणों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- असमंजस
- व्यक्तित्व में बदलाव
- उदासीनता एवं प्रत्याहार
- दैनिक कार्यों को करने की क्षमता में कमी

कभी कभी लोग इस बात को पहचानने में असफल रहते हैं कि ये लक्षण कुछ खराबी को प्रकट करते हैं कि कुछ गलत है। वे गलती से यह मान लेते हैं कि ऐसा व्यवहार उम्रवृद्धि प्रक्रिया का साधारण भाग है। अथवा लक्षण धीरे धीरे विकसित होते हैं तथा लंबे समय तक इनकी तरफ ध्यान नहीं दिया जाता। कई बार लोग यह जानते हुए भी कि कुछ खराबी है, उस पर कुछ कार्यवाही करने से इंकार कर सकते हैं।

चेतावनी वाले लक्षण

यह डिमेंशिया के आम लक्षणों की जाँच सूची है। इस सूची का ध्यान से अध्ययन करें तथा जो लक्षण मौजूद हैं, उनपर निशान लगायें। यदि निशान बहुत से हैं, तो संपूर्ण निरीक्षण के लिए डाक्टर से संपर्क करें।

- ☐ **स्मरण शक्ति का कम हो जाना जो कि रोजमर्रा के कार्यों को प्रभावित करता है**
कभी कभी नियोजित कार्यों या मित्रों के फोन नम्बर भूल जाना तथा वाद में उनका याद आना सामान्य है। डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति अधिक बार चीजें भूल जाता है या फिर उन्हें विल्कुल ही याद नहीं रखता।
- ☐ **सामान्य कार्यों को करने में कठिनाई**
लोग समय समय पर विचलित महसूस कर सकते हैं तथा भोजन का कोई भाग परोसना भूल सकते हैं। डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति को भोजन बनाने के सभी कार्यों में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

- ☐ **समय और स्थान के बारे में संभ्रम**
एक क्षण के लिए सप्ताह का दिन भूल जाना साधारण बात है। डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति को अपने परिचित स्थान पर जाने का रास्ता ढूँढने में कठिनाई हो सकती है या वे इस बारे में मुश्किल महसूस करते हैं कि वे कहाँ हैं।
- ☐ **भाषा संबंधित समस्याएँ**
वैसे तो हर किसी को कभी कभी उचित शब्द ढूँढने में कठिनाई होती है, परन्तु डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति साधारण शब्दों या वैकल्पिक अनुपयुक्त शब्दों को भूल सकता है अथवा गलत शब्दों का प्रयोग कर सकता है, जिसके परिणामस्वरूप वाक्य समझने मुश्किल हो जाते हैं।
- ☐ **भावात्मक सोच संबंधित कठिनाईयाँ**
चेक बुक का हिसाब-किताब करना किसी के लिए भी कठिन हो सकता है, परन्तु डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति के लिए अंकों के अर्थ को समझना कठिन हो सकता है।
- ☐ **गलत निर्णय लेना या निर्णय लेने की क्षमता में कमी**
कार चलाते हुए दूरी व दिशा के बारे में निर्णय लेने में डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति को कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।
- ☐ **वस्तुओं को गलत स्थान पर रखने की समस्याएँ**
कोई भी व्यक्ति कुछ समय के लिए अपना पर्स या चावियां गलत स्थान पर रख सकता है। डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति अपनी वस्तुएँ गलत स्थान पर रख सकता है।
- ☐ **व्यक्तित्व या आचरण में बदलाव**
हर कोई समय समय पर उदास या चिड़चिड़ा हो सकता है। डिमेंशिया से ग्रस्त व्यक्ति के स्वभाव में बिना किसी कारण तेजी से बदलाव आ सकते हैं। उनका स्वभाव व्याकुल, शक्की या गैर-मिलनसार हो सकता है।
- ☐ **पहल करने में कमी**
कुछ गतिविधियां बार बार कर के उनसे उब जाना साधारण बात है। परन्तु डिमेंशिया के कारण रोगियों की उन गतिविधियों में रुचि समाप्त हो सकती है जिन्हें करने में पहले उन्हें आनंद मिलता था।

यू एस ए एलसायमरस संस्था से प्राप्त सूचना पर आधारित

याद रखें

याद रखें कि बहुत सी परिस्थितियों के लक्षण डिमेंशिया के मिलते जुलते हैं, इसलिए यह मत समझें कि किसी को डिमेंशिया है क्योंकि उनमें कुछ लक्षण मौजूद हैं। स्ट्रोक, मानसिक विषाद, शराब की आदत, छूत, हार्मोन संबंधी विकार, पौष्टिक तत्वों की कमी व मस्तिष्क ट्यूमर भी डिमेंशिया जैसे लक्षण उत्पन्न कर सकते हैं। इनमें से कई परिस्थितियों का इलाज किया जा सकता है।

उचित रोगनिदान आवश्यक है

प्रारंभिक अवस्था में किसी डाक्टर से सलाह लेना अत्यावश्यक है। केवल डाक्टर ही डिमेंशिया का रोगनिदान कर सकता है।

सम्पूर्ण चिकित्सीय एवं मनोवैज्ञानिक जांच ही इलाज करने योग्य परिस्थितियों का पता लगा सकती है तथा यह सुनिश्चित कर सकती है कि इसका इलाज सही ढंग से होगा अथवा इससे डिमेंशिया से ग्रस्त होने की पुष्टि हो सकती है।

जांच में निम्नलिखित शामिल हो सकता है:

- यदि हो सके तो जिस व्यक्ति में लक्षण हों, उसके द्वारा या किसी नजदीकी रिश्तेदार या मित्र के द्वारा विस्तृत चिकित्सीय विवरण प्रदान किया जाए। इससे यह पता लगाने में मदद मिलती है कि लक्षणों का प्रारंभ तथा उनका विकास धीरे धीरे हुआ है या अचानक
- संपूर्ण शारीरिक व दिमागी विज्ञान संबंधी परीक्षण। यह डिमेंशिया से संबंधित भ्रम को बढ़ाने वाली दूसरी परिस्थितियों को अलग कर सकता है। परीक्षण में चिकित्सीय परिस्थितियों का पता लगाने के लिए इन्द्रियबोध एवं गतिविधियों की जांच शामिल है।
- प्रयोगशाला में टेस्ट लक्षणों के लिए जिम्मेवार किसी भी संभावित बीमारी का पता लगाने के लिए विभिन्न प्रकार की रक्त व मूत्र जांच शामिल है।
- याद रखी जाने वाली योग्यताओं का तथा समझ वृद्धि, परिज्ञान एवं पहचान जैसे निश्चित विशेष क्षेत्रों का पता लगाने के लिए तंत्रिका मनोवैज्ञानिक जांच
- अन्य विशेष जांच जैसे कि छाती का एक्स-रे, ECG (ई सी जी) या CT (सी टी) स्कैन
- सम्भवतः डिमेंशिया से प्रभावित स्मरण शक्ति, तथा लिखने, पढ़ने व हिसाब करने की योग्यता जैसे विभिन्न प्रकार के दिमागी कार्यों की जांच करने के लिए मानसिक स्थिति का परीक्षण।
- मनोरोग जांच जिससे अवसाद जैसे डिमेंशिया के समान लगने वाले इलाज योग्य विकारों का पता लग सकता है तथा व्यग्रता या भ्रम जैसे डिमेंशिया के साथ हो सकने वाले किन्हीं मनोरोग लक्षणों की देखभाल हो सकती है।

कहाँ से शुरूआत करें

रोगनिदान प्रक्रिया की शुरूआत करने का सबसे उत्तम तरीका डाक्टर से सलाह लेना है जो कि लक्षणों पर गौर करने तथा स्क्रीनिंग जांच करवाने के बाद प्राथमिक रोगनिदान का प्रस्ताव दे सकता है। अथवा तंत्रिका विज्ञानी, जरा विज्ञानी या मनोरोग चिकित्सक जैसे विशेषज्ञ के पास भेज सकता है।

कुछ लोग डाक्टर के पास जाने का विरोध कर सकते हैं। कभी कभी लोग इस बात का अहसास नहीं करते या इस बात से इंकार करते हैं कि उनके साथ कुछ खराबी है। यह डिमेंशिया द्वारा मस्तिष्क में हुए बदलावों के परिणामस्वरूप होता है जो कि किसी व्यक्ति द्वारा उसकी स्वयं की स्मरण संबंधी समस्याओं को पहचानने या समझने की क्षमता में बाधा डालते हैं। और लोग जो इस समझ को बनाए रखते हैं, वे अपने भय की पुष्टि हो जाने के कारण डर सकते हैं।

इस समस्या को दूर करने का सबसे प्रभावपूर्ण तरीका किसी अन्य कारण से डाक्टर के पास जाना है। दिल की जांच का, रक्त चाप की जांच का या लंबे समय से ली जाने वाली दवा की समीक्षा करने का सुझाव दिया जा सकता है। एक अन्य तरीका यह है कि इस बात का सुझाव दें कि आप दोनों की शारीरिक जांच करवाने का समय आ गया है। अनेकों आश्वासन देने के लिए तैयार रहें। इस समय शांत एवं ध्यान रखने वाला रवैया व्यक्ति की चिंताओं व उसके भय पर काबू पाने में सहायता कर सकता है।

यदि फिर भी व्यक्ति डाक्टर के पास नहीं जाता है, तो:

- दूसरे परिवारों और देख-रेख करने वालों से बातचीत करें जिनको सम्भावित तौर पर ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।
- ऐज्ड केयर एसेसमेंट टीम (वृद्धों की देखभाल करने वाले केंद्रों की आंकलन टीम) Aged Care Assessment Team (ACAT) से संपर्क करें
- राष्ट्रीय डिमेंशिया हेल्पलाइन को फोन करें

अधिक जानकारी

एलसायमरस ऑस्ट्रेलिया सहायता, सूचना, शिक्षा व सलाह प्रदान करता है। राष्ट्रीय डिमेंशिया हेल्पलाइन को **1800 100 500** पर संपर्क करें।

आगे की जानकारी तथा दूसरे सहायता पत्रकों को देखने के लिए हमारी वेबसाइट **fightdementia.com.au** पर जायें

DIAGNOSING DEMENTIA

This Help Sheet provides information about the early signs of dementia and the techniques used to diagnose dementia and the importance of an early and correct diagnosis.

What are the early signs of dementia?

Because the diseases that cause dementia develop gradually, the early signs may be very subtle and vague, and not immediately obvious. Early symptoms also depend on the type of dementia and vary a great deal from person to person.

Common early symptoms include:

- Memory problems, particularly remembering recent events
- Increasing confusion
- Reduced concentration
- Personality or behaviour changes
- Apathy and withdrawal or depression
- Loss of ability to do everyday tasks

Sometimes people fail to recognise that these symptoms indicate that something is wrong. They may mistakenly assume that such behaviour is a normal part of ageing, or symptoms may develop so gradually they go unnoticed for a long time. Sometimes people may be reluctant to act even when they know something is wrong.

Warning signs

This is a checklist of common symptoms of dementia. Go through the list and tick any symptoms that are present. If there are several ticks, consult a doctor for a complete assessment.

☐ Memory loss that affects day-to-day function

It's normal to occasionally forget appointments and remember them later. A person with dementia may forget things more often or not remember them at all.

☐ Difficulty performing familiar tasks

People can get distracted and they may forget to serve part of a meal. A person with dementia may have trouble with all the steps involved in preparing a meal.

☐ Disorientation to time and place

A person with dementia may have difficulty finding their way to a familiar place, or feel confused about where they are, or think they are back in some past time of their life.

☐ Problems with language

Everyone has trouble finding the right word sometimes, but a person with dementia may forget simple words or substitute inappropriate words, making them difficult to understand. They might also have trouble understanding others.

☐ Problems with abstract thinking

Managing finances can be difficult for anyone, but a person with dementia may have trouble knowing what the numbers mean or what to do with them.

☐ Poor or decreased judgement

Many activities require good judgement. When this ability is affected by dementia, the person may have difficulty making appropriate decisions, such as what to wear in cold weather.

☐ Problems with spatial skills

A person with dementia may have difficulty judging distance or direction when driving a car.

☐ Problems misplacing things

Anyone can temporarily misplace a wallet or keys. A person with dementia may often put things in inappropriate places.

☐ Changes in mood, personality or behaviour

Everyone becomes sad or moody from time to time. Someone with dementia can exhibit rapid mood swings for no apparent reason. They can become confused, suspicious or withdrawn. Some can become disinhibited or more outgoing.

☐ A loss of initiative

It's normal to tire of some activities. However, dementia may cause a person to lose interest in previously enjoyed activities.

It may not be dementia

Remember that many conditions have symptoms similar to dementia, so do not assume that someone has dementia just because some of the above symptoms are present. Strokes, depression, alcoholism, infections, hormone disorders, nutritional deficiencies and brain tumours can all cause dementia-like symptoms. Many of these conditions can be treated.

A correct diagnosis is important

Consulting a doctor at an early stage is critical. Only a medical practitioner can diagnose dementia. A complete medical assessment may identify a treatable condition and ensure that it is treated correctly, or it might confirm the presence of dementia.

An assessment may include the following:

- Medical history – the doctor will ask about past and current medical problems, family medical history, any medications being taken, and the problems with memory, thinking or behaviour that are causing concern. The doctor may also wish to speak to a close family member who can help provide all the necessary information.
- Physical examination – this may include tests of the senses and movement function, as well as heart and lung function, to help rule out other conditions.
- Laboratory tests – will include a variety of blood and urine tests to identify any possible illness which could be responsible for the symptoms. In some cases, a small sample of spinal fluid may be collected for testing.
- Neuropsychological or cognitive testing – a variety of tests are used to assess thinking abilities including memory, language, attention and problem solving. This can help identify specific problem areas, which in turn helps identify the underlying cause or the type of dementia.
- Brain imaging – There are certain scans that look at the structure of the brain and are used to rule out brain tumours or blood clots in the brain as the reason for symptoms, and to detect patterns of brain tissue loss that can differentiate between different types of dementia. Other scans look at how active certain parts of the brain are and can also help discriminate the type of dementia.
- Psychiatric assessment – to identify treatable disorders such as depression, and to manage any psychiatric symptoms such as anxiety or delusions which may occur alongside dementia.

Where to begin

The best place to start is with the person's doctor. After considering the symptoms and ordering screening tests, the doctor may offer a preliminary diagnosis or refer the person to a medical specialist such as a neurologist, geriatrician or psychiatrist.

Some people may be resistant to the idea of visiting a doctor. Sometimes people are in denial or do not realise that there is anything wrong with them. This can be due to the brain changes of dementia that interfere with the ability to recognise or appreciate the changes occurring. Others, who do have insight into their condition, may be afraid of having their fears confirmed. One of the best ways to overcome this problem is to find another reason to visit the doctor. Perhaps suggest a blood pressure check or a review of a long-term condition or medication. Another way is to suggest that it is time for both of you to have a physical check-up. A calm attitude at this time can help overcome the person's worries and fears.

If the person still will not visit the doctor:

- Talk with other families and carers who may have had to deal with similar situations
- Talk to the person's doctor for advice
- Contact your local Aged Care Assessment Team (ACAT). Call **1800 200 422** for information
- Call the National Dementia Helpline on **1800 100 500**

For more detailed information about the early signs of dementia and seeking help from a doctor, download the *Worried About Your Memory?* booklet from the Alzheimer's Australia website or call the National Dementia Helpline to order a copy.

FURTHER INFORMATION

Alzheimer's Australia offers support, information, education and counselling. Contact the National Dementia Helpline on **1800 100 500**, or visit our website at fightdementia.org.au



For language assistance phone the Translating and Interpreting Service on **131 450**